कक्षा-11वीं के विद्यार्थियों में मौलिक कर्तव्यों की जागरूकता का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की

मास्टर ऑफ एजुकेशन (आर.आई.ई.)

उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु

लघु शोध-प्रबंध

सत्र 2013-14

मार्गदर्शक
डॉ. किरण माथुर
प्राध्यापक, शिक्षा विभाग,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधार्थी
भारती चौधरी
एम.एड.(आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान

(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली)

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

कक्षा-11वीं के विद्यार्थियों में मौलिक कर्तव्यों की जागरूकता का अध्ययन

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की

मास्टर ऑफ एजुकेशन (आर.आई.ई.)

उपाधि की आंशिक सम्पूर्ति हेतु

लघु शोध-प्रबंध

सत्र 2013-14

D - 441

18 APR 2019

मार्गदर्शक

किरण माथुर 19/5/2014

डॉ. किरण माथुर
प्राध्यापक, शिक्षा विभाग,
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,भोपाल

शोधार्थी

भारती चौधरी
एम.एड.(आर.आई.ई.)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,भोपाल

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली)
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

घोषणा–पत्र

मैं **भारती चौधरी** घोषणा करती हूँ कि एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत यह लघु शोधप्रबंध **"कक्षा–11वीं के विद्यार्थियों में मौलिक कर्तव्यों की जागरूकता का अध्ययन"** नामक विषय पर **डॉ. किरण माथुर**, प्राध्यापक, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (म.प्र.) हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है। इस शोध कार्य में ली गई सूचना विश्वसनीय स्त्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त किये गये हैं, जिनका उल्लेख संदर्भ ग्रंथ सूची में किया गया है। यह प्रयास मेरे पूर्णतः मौलिक कार्य का परिणाम है।

स्थान– क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

दिनांक 19/05/14

शोधार्थी

भारती चौधरी

एम.एड., आर.आई.ई.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **भारती चौधरी**, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान श्यामला हिल्स, भोपाल की नियमित छात्रा है, इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल (म.प्र.) से शिक्षा में स्नातकोत्तर एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि प्राप्त करने हेतु लघु शोध प्रबंध **"कक्षा–11वीं के विद्यार्थियों में मौलिक कर्तव्यों की जागरूकता का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में विधिवत पूर्ण किया।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध इनकी निष्ठा, लगन एवं ईमानदारी से पूर्णतः मौलिक परिश्रम का प्रतिफल है, जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

मैं इस लघुशोध प्रबंध को एम.एड. (आर.आई.ई.) बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की परीक्षा 2013–14 की आंशिक सम्पूर्ति हेतु स्वीकृति प्रदान करती हूँ।

स्थान– क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

दिनांक 19/05/14

मार्गदर्शक

19/5/2014

डॉ. किरण माथुर

प्राध्यापक

(शिक्षा विभाग)

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

आभार–ज्ञापन

इस शोध कार्य की सम्पन्नता में मेरे शोध कार्य की मार्गदर्शिका आदरणीया **डॉ. किरण माथुर** प्राध्यापक शिक्षा विभाग की कृतज्ञ हूँ जिन्होंने अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद भी अपने सौहार्दपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाईयों का निराकरण किया एवं मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करती रहीं। यह लघुशोध आपके मार्गदर्शन का प्रतिफल है, आपके द्वारा धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीयता वात्सल्यपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा। मैं आपकी ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्राचार्य **डॉ. एच.के. सेनापति** की आभारी हूँ जिन्होंने मुझे समय–समय पर अभिप्रेरित किया। मैं अधिष्ठाता **डॉ. रीटा शर्मा** की आभारी हूँ। विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग **डॉ. कौशल किशोर खरे** के स्नेह पूर्ण व्यवहार एवं आर्शीवाद हेतु हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने मुझे समय–समय पर मार्गदर्शन प्रदान करके मेरे शोध कार्य में सहयोग प्रदान किया।

मैं पूर्व शिक्षा विभागाध्यक्ष **डॉ. बी. रमेश बाबू** की हृदय से आभारी हूँ। मैं **डॉ. रत्नमाला आर्या, श्री आनंद वाल्मीकि, श्री संजय पंडागले, डॉ. एन.सी. ओझा** एवं **समस्त गुरूजनों** की हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने समय–समय पर उचित मार्गदर्शन करके मेरे शोधकार्य में सहयोग दिया। मैं पुस्तकालय के समस्त कर्मचारियों की हृदय से आभारी हूँ।

मैं सहृदय से आजीवन ऋणी रहूँगी मेरे माता–पिता श्री **संतराम चौधरी एवं श्रीमति ऊषा चौधरी** की जिनका वात्सल्य, प्रेरणा एवं समर्पण मुझे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता रहा है। मेरे बड़े भाई दिलीप चौधरी, बड़ी बहन किरण चौधरी, छोटी बहन आरती चौधरी मेरे अनुज राहुल चौधरी और भानुप्रताप

चौधरी का जिन्होंने आत्मीय व्यवहार अविस्मरणीय वात्सल्यपूर्ण सहयोग प्रदान कर मेरे आत्म बल को प्रतिपल प्रोत्साहित किया जिसकी प्रेरणा मेरे मनः चक्षु में पुष्प की तरह पल्लवित पुष्पित होती है। मेरे संस्थान के **सभी मित्रगण** एवं आत्मीय जन जिन्होंने शोध लेखन के दौरान आयी हुई कठिनाईयों का समाधान करने में मुझे प्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान किया यदि मैं यह कहूँ कि इनके सहयोग के बिना मेरा शोध कार्य अपूर्ण होता तो अतिश्योक्ति न होगी। मैं जीवन पर्यन्त इनकी चिर ऋणी रहूँगी।

मुझे शोध लेखन के समयावधि के प्रत्येक क्षण जीवन पर्यन्त अविस्मरणीय रहेंगे।

स्थान– क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

दिनांक 19/05/14

शोधार्थी

Bharti

भारती चौधरी

एम.एड., आर.आई.ई.

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान,

श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

अनुक्रमणिका

विषय–वस्तु	पृष्ठक्रमांक
घोषणा–पत्र	I
प्रमाण–पत्र	II
आभार–ज्ञापन	III
अध्याय प्रथम – शोध परिचय	**1–8**
1.1 प्रस्तावना	
1.2 मौलिक कर्तव्य	
1.3 मौलिक कर्तव्यों का महत्व	
1.4 विद्यालयीन क्षेत्र में मौलिक कर्तव्यों का अनुभव	
1.5 मौलिक कर्तव्यों को संहिताबद्ध करने की आवश्यकता	
अध्याय द्वितीय – संबंधित शोध साहित्य का पुनरावलोकन	**9–16**
2.1 प्रस्तावना	
2.2 संबंधित साहित्य के अध्ययन का महत्व एवं लाभ	
2.3 संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	
अध्याय तृतीय – शोध प्रविधि तथा प्रक्रिया	**17–19**
3.1 प्रस्तावना	
3.2 न्यादर्श का चयन	
3.3 शोध प्रविधि की विशेषताएँ	
3.4 शोध संरचना	
3.5 न्यादर्श	
3.6 न्यादर्श का विस्तृत वर्णन	
3.7 शोध उपकरण	
3.8 प्रदत्तों के संकलन की प्रक्रिया	
3.9 प्रदत्तों का विश्लेषण	

अध्याय चतुर्थ - प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या 20-23

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

अध्याय पंचम - शोध निष्कर्ष एवं सुझाव 24-28

5.1 प्रस्तावना

5.2 समस्या कथन

5.3 शोध के उद्देश्य

5.4 शोध की परिसीमाएँ

5.5 शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

5.6 शोध संरचना

5.7 न्यादर्श का चयन

5.8 उपकरण

5.9 परिणाम

5.10 निष्कर्ष

5.11 भावी शोध हेतु सुझाव

संदर्भग्रंथ

परिशिष्ट- मौलिक कर्तव्य प्रश्नावली

- संविधान में वर्णित मौलिक कर्तव्य